NATIONAL SENIOR CERTIFICATE EXAMINATION
NOVEMBER 2020

HINDI FIRST ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER I

MARKING GUIDELINES

Time: 2 hours 80 marks

These marking guidelines are prepared for use by examiners and sub-examiners, all of whom are required to attend a standardisation meeting to ensure that the guidelines are consistently interpreted and applied in the marking of candidates' scripts.

The IEB will not enter into any discussions or correspondence about any marking guidelines. It is acknowledged that there may be different views about some matters of emphasis or detail in the guidelines. It is also recognised that, without the benefit of attendance at a standardisation meeting, there may be different interpretations of the application of the marking guidelines.

IEB Copyright © 2020

भाग क

प्रश्न एक

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में हिन्दी में दीजिए।

शहीद भगतसिंह

प्रस्तावना-इस संसार में हजारों-लाखों लोग पैदा होते हैं और मर जाते हैं। उनका नाम तक भी नहीं जानते। पर कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनका नाम भुला पाना संभव नहीं होता। वे मर कर भी अमर हो जाते हैं। उनका नाम लोग बहत ही आदर और श्रद्धा से लेते हैं। उनके नाम मात्र से जीवन में प्रेरणा पैदा होती है। ऐसे ही नवयुवकों में नाम आता है शहीद भगतसिंह का शहीद भगतसिंह चाहते तो वे भी सुख और आराम का जीवन जी सकते थे। पर उन्होंने तो देश के लिए कुर्बानी देकर भारत के नौजवानों के सामने जो उदाहरण पेश किया है, वह कम नौजवान ही पेश कर पाते हैं।
जन्म और बाल्यकाल- शहीद भगतसिंह का जन्म सन 1907 में पंजाब में जालंधर के निकट खटकड कलाँ नामक गाँव में हुआ था। इनके पिता का नाम सरदार कृष्ण सिंह था। इनकी दादी ने इसका नाम रखा था भागाँवाला। उनका कहना था- यह बच्चा बड़ा भाग्यशाली होगा।

शहीद भगतसिंह बचपन से ही बहुत निर्भीक थे। वे बचपन में वीरों के खेल खेला करते थे। दो दल बना आपस में लड़ाई लड़ना, और तीर कमान चलाना उनके खेल थे। देश प्रेम की भावना उनमें कूट कूट कर भरी थी। एक बार उन्होंने अपने पिता की बन्दूक ली और उसे ले जाकर अपने खेत में गाड़ दिया। उनके पिता ने जब उनसे पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया है? वे बोले एक बन्दूक से कई बन्दूकें होंगी। मैं इन बन्दूकों को अपने साथियों में बाटँूगा। हम सब मिलकर अंग्रेजों से लड़ेंगे और भारत माता को आजाद कराएँगे।

शिक्षा- भगतसिंह ने डी.ए.वी. कालेज लौहार से हाईस्कूल की परीक्षा पास की थी और उसके बाद नेशनल कालेज से बी.ए. किया। सन 1919 ई में जनरल डायर ने अमृतसर में जलियाँवाला बाग में गोलियाँ चलाईं। इन से हजारों निरपराध और निहत्थे लोग मारे गए थे। उस समय भगतसिंह की आयु 11 वर्ष थी। उस समय भगतसिंह ने बाग की मिट्टी को सिर से छूकर प्रतिज्ञा की थी कि वह देश को स्वतन्त्र कराने के लिए जीवन भर संघर्ष करेगा।

नवजवान भारत सभा- सरदार भगतसिंह ने नवजवान भारत सभा की स्थापना की। क्रांतिकारी और चन्द्रषेखर आजाद, वटुकेश्वर दत्त, जितेन्द्र नाथ आदि इसके सदस्य बन गए। ये लोग हथियार बनाते थे। पुलिस द्वारा पकड़े जाने के भय से वे एक स्थान पर नहीं रहते थे। वे जगह जगह मारे मारे फिरते थे। कुछ दिन भगतसिंह अपने साथियों के साथ आगरे के नूरी दरवाजे में भी रहे थे। उन्हीं के नाम पर इस दरवाजे का नाम भगतसिंह द्वार रखा गया है।

वीरगति- सरदार भगतसिंह और उसके साथियों ने लाला लाजपतराय की मृत्यु का बदला लेने के लिए पुलिस कप्तान सांडर्स को दिन दहाड़े गोलियों से भून डाला। उन्होंने नवयुवकों में जोश पैदा करने और अंग्रेजों के प्रति बैठे भय को दूर करने के लिए असेम्बली हाल पर बम फेंका। वे चाहते तो भाग सकते थे, पर उन्होंने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। सरकार ने उन्हें मौत की सजा दी और उन्हें और उनके दो साथियों राजगुरू और सुखेदव को फाँसी दे दी।

इस प्रकार सरदार भगतसिंह मरकर भी अमर हो गए। उन्होंने भारत के नवयुवकों के सामने देश सेवा की मिसाल पैदा कर दी।

१.१ शहीद भगत सिंह कौन थे ?

उनका नाम लोग बहत ही आदर और श्रद्धा से लेते हैं। उनके नाम मात्र से जीवन में प्रेरणा पैदा होती है। ऐसे ही नवयुवकों में नाम आता है शहीद भगतसिंह का शहीद भगतसिंह चाहते तो वे भी सुख और आराम का जीवन जी सकते थे। पर उन्होंने तो देश के लिए कुर्बानी देकर भारत के नौजवानों के सामने जो उदाहरण पेश किया है, वह कम नौजवान ही पेश कर पाते हैं (२)

१.२ उनका बाल्यकाल को वर्णन कीजिए ?

शहीद भगतसिंह बचपन से ही बहुत निर्भीक थे। वे बचपन में वीरों के खेल खेला करते थे। दो दल बना आपस में लड़ाई लड़ना, और तीर कमान चलाना उनके खेल थे। देश प्रेम की भावना उनमें कूट कूट कर भरी थी। एक बार उन्होंने अपने पिता की बन्दूक ली और उसे ले जाकर अपने खेत में गाड़ दिया। उनके पिता ने जब उनसे पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया है? वे बोले एक बन्दूक से कई बन्दूकें होंगी। मैं इन बन्दूकों को अपने साथियों में बाटँूगा। हम सब मिलकर अंग्रेजों से लड़ेंगे और भारत माता को आजाद कराएँगे। (४)

१.३ इन वाक्य को अपने शब्दों में समझाइए ः

१.३.१ *आदर और श्रध्दा* ।

सम्मान और विनम्रता दिखाने के लिए। अच्छे गुण हैं। सुसंस्कृत मूल्यों को प्रदर्शित करता है। (४)

१.३.२ *संघर्ष करेगा* ।

एक कोर्स के लिए लड़ने के लिए। हार न मानने के लिए एक स्पष्ट विचार दें। दृढ़ विश्वास के साथ लड़ें (४)

१.३.३ *नवयुवकों के सामने देश सेवा की मिसाल पैदा कर दी* ।

उन्होंने युवाओं के लिए एक महान शगुन तय किया। राष्ट्र की सेवा कैसे करें। देशभक्त होना (४)

१.४ लाला लाजपतराय की मृत्यु का बदला कैसे ली और क्या हुआ ।

वीरगति- सरदार भगतसिंह और उसके साथियों ने लाला लाजपतराय की मृत्यु का बदला लेने के लिए पुलिस कप्तान सांडर्स को दिन दहाड़े गोलियों से भून डाला। (४)

१.५ समानार्थी शब्द लिखिए ।

१.५.१ पैदा **जन्म** १.५.२ लड़ाई **युद्ध**

१.५.३ आयु **उम्र** १.५.४ मृत्यु **देहांत** (४)

१.६ विलोल शब्द लिखिए ।

१.६.१ सुख **दुख** १.६.२ प्रेम **घृणा**

१.६.३ नवजवान **बुढा** १.६.४ भय **निर्भय** (४)

{३०}

भाग ख

प्रश्न दो

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसका संक्षिप्त विवरण कीजिए

स्वाध्याय का आनँद पर निबन्ध

हमारे अनेक कार्य ऐसे हैं जिनसे हमें असीम सुख की प्राप्ति होती है । जिन लोगों को पुस्तकों से प्रेम है उन्हें आनंदित होने के लिए अन्य किसी वस्तु की आवश्यकता नहीं होती । स्वाध्याय के आनंद का अपना अलग महत्त्व है ।

स्वाध्याय का अर्थ है स्वयं पढ़ना-लिखना । बच्चे स्वाध्याय के माध्यम से अपने ज्ञान में भारी वृद्धि कर सकते हैं । विद्यालय में जो पढ़ाया जाता है उसे यदि स्वाध्याय के माध्यम से दोहराया जाए तो विषय-वस्तु पर स्थाई पकड़ बन जाती है ।

जब हम स्वाध्याय के द्वारा किसी विषय को ग्रहण करते हैं तो उस समय हमारा मस्तिष्क उस विषय के विभिन्न पहलुओं को सरलता से आत्मसात् कर लेता है । स्वाध्याय के लिए उपयोगी पुस्तकों के चयन का खास महत्त्व है ।

कई पुस्तकों में अनावश्यक बातें लिखी होती हैं जिसका अध्ययन हमारे लिए फिजूल है । अश्लील पुस्तकें भड़काऊ पुस्तकें घृणा फैलाने वाली पाठ्य सामग्री तथा सस्ती लोकप्रियता अर्जित करने वाली पुस्तकों के पाठन से हमें कोई लाभ नहीं होता ।

हमें स्वाध्याय के लिए केवल ऐसी पुस्तकों का चुनाव करना चाहिए जो हमारे जीवन के लिए प्रेरणादायक हों । महापुरुषों की जीवनियाँ महान साहित्यकारों की रचनाएँ ज्ञान-विज्ञान से संबद्ध रचनाएँ हमें सचमुच किसी आनंदलोक में पहुँचा सकती हैं ।

शिक्षाप्रद कहानियों उपन्यासों कविताओं लेखों नाटकों आदि का पाठन हमारे मन को आंदोलित कर सकता है । अच्छा साहित्य पढ़कर हम अपने जीवन को अधिक

उपयोगी बना सकते हैं । स्वाध्याय के लिए समय के चुनाव का कोई प्रतिबंध नहीं है परंतु इस कार्य हेतु स्थान के चयन का खास महत्त्व है ।

स्वाध्याय के लिए कोलाहल से दूर एक शांत वातावरण चाहिए । भीड़-भाड़ और अशांत वातावरण में स्वाध्याय का पूरा आनद नहीं उठाया जा सकता । घर के एक कोने में, शांत छत पर, किसी नदी के तट पर स्वाध्याय करने से हमारे चित्त पर इसका अच्छा असर पड़ता है । स्वाध्याय करने वाला व्यक्ति अपने आप को कभी अकेला और असहाय महसूस नहीं करता है ।

इससे हमारे चित्त की अज्ञानता दूर होती है तथा मन में प्रेम का प्रकाश फैलता है । यह हमारे विवेक को जागृत करता है । हमारा अनुभव दिनों-दिन बढ़ता जाता है । ज्ञान और अनुभव ऐसी वस्तुएँ हैं जिन्हें हमसे कोई नहीं छीन सकता । यह भटके हुए मनुष्यों का पथ-प्रदर्शन करता है ।

स्वाध्याय हमें सभ्य एवं संस्कारयुक्त बनाता है । स्वाध्याय के आनद का वर्णन किसी लेख आदि के माध्यम से नहीं किया जा सकता यह स्वयं अनुभव करने की वस्तु है । स्वाध्याय केवल पढ़ना ही नहीं है परतु पड़े हुए को समझना एवं उसके अनुसार कार्य करना भी है ।

जो अध्ययन हमारा मार्गदर्शन नहीं कर सकता हमें असत् से सत् की ओर नहीं ले जा सकता वह किसी काम का नहीं है । स्वाध्याय के लिए जिस उमंग और उत्साह की आवश्यकता होती है । वह प्राय: कम ही देखने को मिलता है । इसलिए स्वाध्याय का आनंद कुछ विरले ही उठा पाते हैं ।

(१०)

भाग ग

प्रश्न ३

निम्न विज्ञापन को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिए।

भारी स्कूल बैग से छुटकारा पाएं





राजेंद्र दाणी

M.Sc., Ph.D.(Geology),M.Sc.(Chemistry), Hr.Dip.(French)

सहयोगी प्राध्यापक (सेवानिवृत्त), नागपूर

- भारी स्कूल बैग विषय पर राजेंद्र दाणी के कार्य पर आधारित कुछ ख़बरे पढ़ने व कुछ विडीओ देखने हेतु आप Google/YouTube पर "heavy school bag issue rajendra dani" अथवा "heavy school bag issue nagpur" यह शीर्षक से सर्च कर सकते है।
- भारी स्कूल बैग हलका करने संबधित राजेंद्र दाणी द्वारा गत 4 साल से अब तक किया हुआ संपूर्ण कार्य तथा विविध प्रयास व विभिन्न मान्यवरोंसे (जैसे CBSE, मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा पंतप्रधान कार्यालय) प्राप्त हुए पत्रों की विस्तृत जानकारी प्राप्त करने हेतु कृपया –

logon करें : rajendradani.blogspot.com

अब पालक स्वयं घटा सकते है, अपने बच्चों के स्कूल बैग का बोझ

३.१ इस विज्ञापन में क्या विज्ञापित है ?
भाड़ी स्कूल बैग से छुकारा । (२)

३.२ निम्नलिखित वक्य को अपने शब्दों में लिखिए ।

३.२.१ *से छुटकारा पाएं।*

बोझ से मुक्त होना। कठिनाई को छोड़ना (२)

३.२.२ *अब पालक स्वयं घटा सकते है।*

माता-पिता कठिनाई को कम करने में सहायता कर सकते हैं। (२)

३.३ राजेंद्र दाणी ने क्या किया ?

उन्होंने स्कूल बैग को कैसे हल्का किया जाए, इस पर पिछले चार साल से शोध किया था। (४)

३.४ विज्ञापन के अनुसार चित्र क्या संदेश देते है ।

वे छात्र भारी स्कूल बैग के साथ चोरी करते हैं। उनके स्कूल बैग उन्हें बेहतर महसूस कराते हैं। (४)

३.५ इस विज्ञापन में क्या बड़े अक्षरों में लिखा है और क्यों ?
भाड़ी स्कूल बैग से छूकारा । **ताकि लोग विज्ञापन के उद्देश्य को देख सकें। वे अधिक जानना चाहेंगे।** (६)

३.६ आप के लिए क्या भारी स्कूल बैग एक मद्दा है । अपने शब्दों में समझाइए ?

हाँ । भारी बैग ले जाना मुश्किल है। हमारे कंधे और घुटने प्रभावित हो जाते हैं। हल्का स्कूल बैग अधिक समझ में आता है (४)

[२४]

प्रश्न ४

निम्नलिखित वित्र को ध्यान पूर्वक देखकर प्रश्नों का उत्तर दीजिए। १६



[Hindi Funny Cartoon Image]

४.१ कार्टून को अपने शब्दों में वर्णन कीजिए ?

यह सोशल मीडिया के बारे में एक कॉमिक कार्टून है। यह व्हाट्सएप पर प्रभावित होने वाले जोड़ों के बारे में संदेश देने की कोशिश करता है। (२)

४.२ पुरुष और स्त्री में क्या समबंद है ? कारण बताइए।

वे पति-पत्नी हैं। वे एक मध्यम आयु वर्ग के युगल हैं। ऊपर आप यह कह सकते हैं कि वे एक युगल हैं। (४)

४.३ "चैटिंग के साइड इफेक्टस" का अर्थ क्या है ?

सोशल मीडिया आपके निजी जीवन को कैसे प्रभावित कर सकता है। चैटिंग व्हाट्सएप आपकी शादी में तनाव पैदा कर सकता है। (४)

IEB Copyright © 2020

४.४ स्त्री क्या माँगती है ?

पत्नी अपना पासवर्ड चाहती है, इसलिए वह देख सकती है कि वह किससे चैट कर रहा है। (२)

४.५ व्यक्ति क्यों पंखा पर चढ़ गया ?

वह अपनी नाराज पत्नी से बचने की कोशिश करता है। वह बहुत परेशान है। (४)

[१६]

[८०]

Total: 80 marks

IEB Copyright © 2020